Title: Need to include the Buddhist circuit amongst the proposed six tourist circuits as announced in the Tenth Five Year Plan and to develop these sites according to the international standard.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उपाध्यक्ष महोदय, भारत सरकार ने घोाणा की है दसवीं पंचवर्षीय योजना में छः पर्यटन सर्किटों को चुनकर अंतर्राट्रीय स्तर पर उनको विकसित किया जाएगा। हम सरकार से कहना चाहते हैं और हमारी मांग है कि बुद्धिस्ट सर्किट पहले से चल रहा है, उसका कार्य अपूर्ण रह गया है। मैं कहना चाहता हूँ कि यह जो छः सर्किट भारत सरकार चुनेगी, उसमें एक बुद्धिस्ट सर्किट जरूर रहे और उसके कार्यों को पूरा किया जाए। क्योंकि हाल में दुनिया का सबसे बड़ा स्तूप केसरिया में निकला है। वैशाली, केसरिया, लौड़िया, नंदनगढ़, कुशीनगर, लुंबिनी, इन सबको जोड़ने का काम बुद्धिस्ट सर्किट में करें। फिर पांच सर्किट बचते हैं। उसमें सूफी सर्किट लिया जाए। अजमेर शरीफ एक अंतर्राट्रीय स्थान है। वहां दुनिया भर के लोग जाते हैं। उसी तरह से हमारे यहां कांटी में कांटी मज़ार, सेरुकाहीं मज़ार में देश विदेश के लाखों लोग जाते हैं। इसलिए सूफी सर्किट तैयार किया जाए। तीसरे नंबर पर जैन सर्किट, महावीर सर्किट लिया जाए। महावीर जी का जन्म वैशाली में हुआ और निर्वाण पावापुरी में हुआ। देश भर में उज्जैन एक पवित्र तीर्थ के रूप में माना जाता है। इसलिए जैन सर्किट बनाया जाए। फिर महात्मा गांधी सर्किट बनाया जाए। जहां-जहां महात्मा गांधी से संबंधित दर्शनीय स्थान हैं, उनका एक सर्किट बनाया जाए। फिर रामायण सर्किट बनाया जाए - राम जानकी सर्किट। जहां-जहां भी पौराणिक संस्कृति है, उसको जोड़ने का काम हो। कर्नाटक में श्रवणबेलगोला नामक स्थान है जहां पर चंद्रगिरि पर्वत पर 58 फीट ऊंची भगवान बाहुबली की मूर्ति है। उस चन्द्रगिरि पर्वत पर चन्द्रगुप्त मौर्य या भद्रबाहु पाटलिपुत्र से उस ज़माने में गए थे।

इसीलिए मैं मांग करता हूं कि इन्द्रगिरि में जो भगवान बाहुबलि की मूर्ति है और जो पर्वतों में दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति है, उसको वर्ल्ड हैरिटेज, राट्रीय धरोहर घोाित किया। भगवान बुद्ध का जो स्तूप मिला है, उसे भी विश्व धरोहर घोाित किया जाए। पर्यटन के विकास की दृटि से भगवान बुद्ध सर्किट, महात्मा गांधी सर्किट, महावीर सर्किट, जैन सर्किट, रामायण सर्किट और सूफी सर्किट, इन छः सर्किटों का चयन कर के अन्तर्राट्रीय स्तर के मानदंडों के अनुसार इन्हें विकसित किया जाए।

महोदय, वर्ल्ड ट्रेड टूरिज्म कौंसिल ने कहा है कि भारत में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के 70 लाख अवसर पैदा किए जा सकते हैं जिसके अन्तर्गत अकेले बिहार राज्य में 3 लाख 60 हजार रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं। मेरा आग्रह है कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इन सर्किटों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।